E-ISSN: 2582-9769



# सफेद मूसली की खुदाई – भण्डारण

[1] ;kxæ eh.kk] [2] jkt dqekj tk[kM ,o [3] pædkUrk tk[kM

[1,2] fo|kokpLifr Nk=] m|ku foKku foHkkx] cukjl fgUnw fo'ofo|ky;] okjk.klh

[3] LukrdksÙkj Nk=k] 'kL; foKku foHkkx] Jh d.kZ ujsUæ —f"k fo'ofo|ky;] tkcusj

मूसली एक महत्वपूर्ण औषधि/नगदी फसल है जिसके उत्पादन में कृषकों द्वारा व्यय भी किया गया  होगा। यदि उसकी खुदाई और उसे विपणन के लिए विधिवत तैयार नहीं किया जाता है तो उचित मूल्य पाना असंभव होगा। अतः कृषक निम्न विकसित तकनीकी अपनाए और अपने उत्पाद का अधिक से अधिक मूल्य कमाएं।

## खुदाई समय/पहचान

यद्यपि किसी अन्य फसल की तरह जब पत्तिया सूख जाती है तब उसकी कटाई का समय आ गया ऐसा माना जाता है परन्तु मूसली के विषय में ऐसी बात नहीं है। फसल के पत्ते पूरे सूखने के उपरान्त भी एक या दो महीने तक फसल को जमीन में वैसा ही छोड़ दिया जाए और हल्की सिंचाई की जाए तो समय समय पर कंद का निरीक्षण किया जाए जब वे सफेद से हल्के भूरे रंग के हो जाए और यह भूरापन गहरे भूरे रंग पकड़ने लग जाए तब वह पूर्ण रूप से परिपक्व कहलाएगा।

## खुदाई

कुदाली की सहायता से ही ट्रैक्टर या अन्य मशीन का उपयोग कदों को क्षति ग्रस्त कर सकता है। सुडौल अच्छे कदों को अलग से छांटकर रख लें। शेष फसल को छिलाई घिसाई हेतु अलग से तैयार करके विपणन के लिए भेजें।

## कंदो की सफाई

कंदो को उखाड़ते समय मिट्टी का लगा रहना स्वाभाविक तथ्य है छीलने घिसने के पूर्व जल से उसको धोकर मिट्टी अलग सूखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

## छिलाई विधि

इसकी कई विधिया है। पत्थर के द्वारा घिसाई गोला करके छिलका उतारना परन्तु सबसे सुलभ तथा अच्छी विधि है चाकू के द्वारा छिलाई क्योंकि पत्थर द्वारा छिलाई से गुदा भी निकल जाता है। इसकी छाल निकालने के लिए किसी प्रकार के रसायन का प्रयोग वर्तमान तक वर्जित है। शोध कार्य इस विषय पर चल रहे हैं। चाकू द्वारा खरोच कर छिलाई ही प्रभावी विधि है।

## सुखाना

मूसली सुखाना एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्रिया है। इससे मूसली मे चमक आकर उसके दाम में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दो से तीन दिन की कड़ी धूप इसकी नमी के दूर करने के लिए पर्याप्त होती है। सूखी मूसली को विधिवत अच्छे से अच्छे डिब्बों में भरकर यदि उसको विपणन के लिए भेजें तो अधिक उत्तम होगा।

खुदाई उपरांत छीलने के पहले ही आने वाली फसल के लिए बीज हेतु चयनित मूसली को चोकर सुखाकर (बिना छिले) छायादार कमरों में रखा जा सकता है अथवा छोटे–बड़ों के आकार में गड्ढा बनाकर उसमें मूसली रखकर छबाई करके भी भण्डारण किया जा सकता हैं।